भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1894

दिनांक 14 दिसम्बर, 2023

पीएनजी के लाभ

1894. श्री सुनील कुमार सिंहः
डॉ. उमेश जी. जाधवः
श्री नारणभाई काछड़िया:
श्री एस.सी. उदासी:
श्री रणजितसिंह नाईक निंबालकर:
डॉ. (प्रो.) किरिट प्रेमजीभाई सोलंकी:
श्री दिलीप शइकीया:
श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगारे:
डॉ. निशिकांत दुबे:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) एलपीजी की तुलना में पाइप-कृत प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के लाभ क्या हैं और एलपीजी की तुलना में पीएनजी की लागत प्रभावशीलता कितनी है:

(ख) प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क का ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा झारखंड, कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर-पूर्वी राज्यों सहित देश भर में पीएनजी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उक्त प्रयोजनार्थ राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितनी निधि आवंटित और उपयोग की गई है;

(घ) क्या सरकार ने कर्नाटक के कलबुर्गी में किसी पीएनजी परियोजना को मंजूरी दी है और यदि हां, तो परियोजना का ब्यौरा क्या है और उक्त परियोजना को पूरा करने के लिए कार्यान्वयन एजेंसी का नाम क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने देश भर में प्राकृतिक गैस की खपत बढ़ाने के लिए कोई रणनीति बनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा राष्ट्रीय गैस ग्रिड प्रणाली को मजबूत करने और "एक राष्ट्र, एक ग्रिड और एक प्रशुल्क" के मिशन को प्राप्त करने के लिए क्या कदम उठाए गए है?

उत्तर

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री रामेश्वर तेली)

(क) पाइपलाइन के माध्यम से आपूर्ति की जा रही पीएनजी एलपीजी सिलिंडरों की बुकिंग, हैंडलिंग, भंडारण और उन्हें तोलने की परेशानियां दूर करती है। इसके अलावा, हवा से भी हल्की होने के चलते पीएनजी खाना पकाने के लिए अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित ईंधन है। प्रति इकाई ऊर्जा की मात्रा (केसीएएल/कि.ग्रा.) के लिहाज से पीएनजी एलएनजी की तुलना में अधिक फायदेमंद है तथापि प्राकृतिक गैस की लागत अधिप्राप्त की गई गैस की लागत, राज्य करों, प्रशुल्क, दी गई राज सहायता, परिवहन और वितरण लागत जैसे अनेक परिवर्तनशील घटकों पर निर्भर करती है।

(ख) और (ग): प्रचालित की जा रही/निर्माणाधीन प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के राज्य/संघ शासित प्रदेश-वार ब्यौरे **अनुलग्नक-I** में दिए गए हैं। पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) कनेक्शन उपलब्ध करवाना नगर गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क के विकास का हिस्सा है तथा यह काम पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा प्राधिकृत कंपनियां अपने न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) के अनुसार कर रही हैं। 11ए सीजीडी बोली दौर पूरा होने के बाद पीएनजीआरबी ने वर्ष 2032 तक पूरे देश में लगभग 12.50 करोड़ से अधिक पीएनजी कनेक्शन लगाने के एमडब्ल्यूपी के लक्ष्य के साथ सीजीडी नेटवर्क के विकास हेतु देश की लगभग 98 प्रतिशत आबादी और 28 राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में लगभग 630 जिलों में फैले हुए कुल भौगोलिक क्षेत्र के 88 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र को कवर करते हुए 300 भौगोलिक क्षेत्रों (जीएज) को प्राधिकृत किया है। सीजीडी परियोजनाओं के लिए सरकार ने कोई निधि जारी नहीं की है। एमडब्ल्यूपी के अनुसार प्राधिकृत कंपनियों को वर्ष 2032 तक पूरे देश में 5,42,224 इंच कि.मी. (इस्पात और एमडीपीई, दोनों) की कुल लंबाई की पाइप लाइनें बिछानी है। सीजीडी क्षेत्र के सीएनजी (परिवहन) तथा पीएनजी (घरेलू) क्षेत्र को की जाने वाली प्राकृतिक गैस की आपूर्ति को कटौती रहित श्रेणी में रखा गया है और आबंटन में इसे प्राथमिकता दी गई है।

(घ) पीएनजीआरबी ने 10वें सीजीडी बोली दौर के दौरान कर्नाटक में कालाबुरागी जिले में 5,26,551 पीएनजी घरेलू कनेक्शन उपलब्ध करवाने और 62 सीएनजी स्टेशनों की स्थापना करने के एमडब्ल्यूपी लक्ष्य के साथ सीजीडी नेटवर्क का विकास करने के लिए एजीपी सिटी गैस प्राइवेट लिमिटेड को प्राधिकार प्रदान किया है।

(ड.): वर्तमान में भारत में ऊर्जा बास्केट में प्राकृतिक गैस का हिस्सा 6.7 प्रतिशत है। सरकार ने ऊर्जा मिश्र में प्राकृतिक गैस के हिस्से को बढ़ाकर वर्ष 2030 में 15 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए अनेक कदमों में राष्ट्रीय गैस ग्रिड पाइपलाइन का विस्तार, नगर गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क का विस्तार, तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टर्मिनलों की स्थापना, संपीड़ित प्राकृतिक गैस (परिवहन)/पाइप्ड प्राकृतिक गैस (घरेलू) सीएनजी (टी)/पीएनजी (डी) को कटौती रहित श्रेणी में घरेलू गैस का आवंटन, उच्च दाब/उच्च तापक्रम वाले क्षेत्रों, गहरे समुद्री और अत्यधिक गहरे समुद्री ब्लॉकों तथा कोल सीम्स से उत्पादित गैस के उच्चतम मूल्य सीमा के संबंध में विपणन और मूल्य निर्धारण की आजादी प्रदान करना, जैव सीएनजी को बढ़ावा देने के उद्दे य से किफायती परिवहन के लिए दीर्घकालिक विकल्प (सतत) पहल आदि शामिल हैं।

(च) राष्ट्रीय गैस ग्रिड (एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड) का निर्माण करने तथा पूरे देश में प्राकृतिक गैस की उपलब्धता बढ़ाने के उद्दे य से पीएनजीआरबी ने पूरे देश में लगभग 33,622 किलोमीटर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क को प्राधिकृत किया है जिसमें से स्पर लाइनों, टाइ-इन कनेक्टिविटी, उप पारेषण पाइपलाइनों (एसटीपीएल) और समर्पित पाइपलाइनों सहित 24,623 कि.मी. प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों का पहले से ही प्रचालन किया जा रहा है और कुल 10,860 कि.मी. लंबी पाइपलाइनें निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

इसके अलावा पीएनजीआरबी ने 'एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड और एक प्रशुल्क' के उद्दे य से आपस में जुड़ी हुई प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए दिनांक 01.04.2023 से एक समान प्रशुल्क को कार्यान्वित कर दिया है। एक समान प्रशुल्क के कार्यान्वयन को आसान बनाने के उद्दे य से विनियमनों में कंपनी स्तर पर एक समान प्राकृतिक गैस पाइप लाइन प्रशुल्क को शुरू किया गया है। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उपभोक्ताओं के समग्र हित की रक्षा के लिए एक समान प्रशुल्क क्षेत्रों के अलग-अलग क्षेत्रों की सं या 2 से बढ़ाकर 3 कर दी गई है।

***

पीएनजी के लाभ के संबंध में दिनांक 14.12. 2023 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.1894 के भाग (ख) और (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पूर्ण रूप से प्रचालित कॉमन कैरियर प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों की सूची

क्र.सं.	प्राकृतिक गैस पाइपलाइन	राज्य (राज्यों)
1.	असम क्षेत्रीय नेटवर्क	असम
2.	कावेरी बेसिन नेटवर्क	पुडुच्चेरी, तमिलनाडु
3.	हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर-जीआरईपी (गैस पुनर्वास और विस्तार परियोजना)-दाहेज-विजयपुर एचवीजे/वीडीपीएल	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,राजस्थान, गुजरात
4.	दाहेज-विजयपुर (डीवीपीएल)-विजयपुर-दादरी (जीआरईपी) अपग्रेडेशन डीवीपीएल 2 और डीवीपीएल	
5.	काकीनाडा-हैदराबाद-उरण-अहमदाबाद (पूर्व पश्चिम पाइपलाइन)	आं प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना
6.	दाहेज-उरण-पनवेल-धभोल	गुजरात, महाराष्ट्र
7.	केजी बेसिन नेटवर्क	आं प्रदेश, पुडुच्चेरी
8.	गुजरात रीजनल नेटवर्क	गुजरात
9.	अगरतला रीजनल नेटवर्क	त्रिपुरा
10.	दादरी-पानीपत	हरियाणा, पंजाब,उत्तर प्रदेश
11.	मुंबई रीजनल नेटवर्क	महाराष्ट्र
12.	उरण-ट्रॉम्बे	महाराष्ट्र
13.	हाई प्रेशर गुजरात गैस ग्रिड	गुजरात
14.	हजीरा-अंकले र (एचएपीआई)	गुजरात
15.	लो प्रेशर गुजरात गैस ग्रिड	गुजरात
16.	शहडोल-फूलपुर	मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश
17.	असम रीजनल नेटवर्क	असम
18.	डुकली-महाराजगंज	त्रिपुरा
19.	उरण-तलोजा	महाराष्ट्र
20.	विजयपुर-औरैया-फूलपुर स्पर लाइन	मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश
21.	चैनसा-झ र-हिसार	हरियाणा, राजस्थान
22.	दादरी-बवाना-नांगल	पंजाब,हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली

स्रोत: पीपीएसी

निर्माणाधीन कॉमन कैरियर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन

क्र.सं.	प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों का नाम	राज्यों से पाइपलाइनें गुजरती हैं
1.	काकीनाडा-विजाग-श्रीकाकुलम	आं प्रदेश
2.	ए ेर-नेल्लोर	आं प्रदेश,तमिलनाडु
3.	काकीनाडा-विजयवाड़ा-नेल्लोर	आं प्रदेश
4.	उत्तर-पूर्व प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ग्रिड	असम,मिजोरम,मणिपुर,अ णाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नागालैंड, मेघालय और सि म
5.	कनई छाता-श्रीरामपुर	प म बंगाल
6.	श्रीकाकुलम -अंगुल	आं प्रदेश,ओडिशा
7.	मुंबई-नागपुर-झारसुगुड़ा	महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़ और ओडिशा
8.	जामनगर से द्वारका (गुजरात)	गुजरात
9.	हज़ारीबाग-रांची	झारखंड
10.	गुरदासपुर-ज मू	संघ शासित प्रदेश जम्मू और क मीर, पंजाब

स्रोत: पीपीएसी